नए सीजन में 235 लाख टन चीनी उत्पादन का अनुमान

घरेलू बाजार में करीब 60 लाख टन का बकाया स्टॉक बचा

बिजनेस भास्कर • नई दिल्ली

चालू पेराई सीजन वर्ष 2012-13 (अक्टूबर से सितंबर) के दौरान चीनी का उत्पादन 235 लाख टन होने का अनुमान है। खाद्य एवं उपभोक्ता मामले मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रो. के. वी. थॉमस ने मंगलवार को दिल्ली में पत्रकारों से कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीनी की कीमतों में आई गिरावट से वर्तमान में निर्यात के लिए पड़ते नहीं लग रहे हैं।

उन्होंने कहा कि चालू पेराई सीजन में चीनी का उत्पादन पिछले साल के 262 लाख टन से घटकर 235 लाख टन होने का अनुमान है। लेकिन घरेलू बाजार में करीब 60 लाख टन का बकाया स्टॉक बचा हुआ है। जिससे कुल उपलब्धता मांग के मुकाबले ज्यादा है। देश में चीनी की सालना खपत करीब 220 लाख टन की होती है। ऐसे में चीनी का ओपन जरनल लाइसेंस (ओजीएल) के तहत निर्यात जारी रहेगा।

चीनी के आयात पर इस समय 10 फीसदी आयात शुल्क है तथा इसमें बढ़ोतरी पर उद्योग में आम सहमति नहीं है। कुछ मिलें आयात शुल्क बढ़ाने की मांग कर रही है जबकि कुछ मिलें इसको स्थिर रखने की मांग कर रही है। उन्होंने कहा कि सितंबर महीने में हुई बारिश के कारण चालू पेराई सीजन देरी से शुरू होने की संभावना है। दिल्ली में एम-ग्रेड चीनी की कीमतें 3,700 से 3,880 रुपये और उत्तर प्रदेश में एक्स-फैक्ट्री चीनी के दाम 3,500 से 3,700 रुपये प्रति क्विंटल चल रहे हैं।

प्रो. के वी थॉमस ने कहा कि ईरान को 20 से 30 लाख टन गेहूं निर्यात करने की बात चल रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में गेहूं की कीमतों में आई तेजी से भारत से निर्यात पड़ते अच्छे लग रहे हैं। वैसे भी केंद्रीय पूल में गेहूं का 431.53 लाख टन का बंपर स्टॉक मौजूद है। उन्होंने कहा कि खरीफ विपणन सीजन 2012-13 में खाद्य मंत्रालय ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर 401 लाख टन चावल की खरीद का लक्ष्य तय किया है। पिछले खरीफ विपणन सीजन 2010-11 में एमएसपी पर 341.97 लाख टन चावल की खरीद हुई थी।